दैनिक भास्कर
इंदौर, मंगलवार, 9 फरवरी, 2016

टेक्नोलॉजी के साथ अपडेट रहें पुलिस अफसर : श्रीवास्तव

पीआरटीएस में छठवां नेशनल इन्वेस्टिगेशन ऑफ साइबर क्राइम ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू

भास्कर संवाददाता | इंदौर

समय के साथ तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। अपराधों में भी इसका इस्तेमाल होने लगा है। इसके मद्देनजर जरूरी है कि इनसे निपटने के लिए पुलिस अधिकारी भी टेक्नोलॉजी के साथ अपडेट रहें।

यह बात एसएएफ के आईजी पवन श्रीवास्तव ने सोमवार को पीआरटीएस में आयोजित छठे नेशनल इन्वेस्टिगेशन ऑफ साइबर क्राइम ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्घाटन अवसर पर कही। दो सप्ताह के इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के 20 अधिकारी पीआरटीएस आए हैं। श्रीवास्तव ने कई उदाहरणों के माध्यम से साइबर ट्रेनिंग के महत्व को बताते हुए इस कोर्स के संचालन के लिए पीआरटीएस की प्रशंसा की। इस अवसर पर पीआरटीएस के डायरेक्टर व आईजी वरुण कपूर ने बताया पीआरटीएस देश का एकमात्र ऐसा तकनीकी संस्थान है जो चार साल से लगातार साइबर क्राइम के क्षेत्र में कार्य करते हुए देशभर में साइबर प्रशिक्षण दे रहा है। इसके लिए डाटा सिक्युरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया ने संस्था को एक्सीलेंस अवॉर्ड-2014 भी दिया है, जो इस क्षेत्र में देश का सर्वोच्च सम्मान है। संस्था में अब तक साइबर ट्रेनिंग के क्षेत्र में कई कोर्सेस और सेमिनारों में पांच हजार से ज्यादा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यहां अब तक देश के 22 राज्यों के पुलिस बल के अधिकारी, छह अर्द्ध सैनिक बलों, भारतीय सेना व वन विभाग के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा- पुलिस के सामने लगातार नई चुनौतियां आ रही हैं, जिसमें सबसे बड़ी चुनौती साइबर अपराधों से निपटने की है। इस मौके पर आईजी कपूर ने श्रीवास्तव का स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया।

ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ करते एसएएफ के आईजी श्रीवास्तव। समीप हैं पीआरटीएस डायरेक्टर वरूण कपूर।

इन विषयों पर होगी ट्रेनिंग

आईजी कपूर ने बताया ट्रेनिंग लेने आए अधिकारियों को यहां कम्प्यूटर बेसिक्स, नेटवर्किंग बेसिक्स, नेटवर्किंग सिक्युरिटी, आईटी एक्ट, इंट्रोडक्शन टू साइबर क्राइम, साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन, साइबर क्राइम सीन मैनेजमेंट, सोशल मीडिया क्राइम मैनेजमेंट, सेल (मोबाइल) फॉरेंसिक्स, कॉल डिटेल रिकॉर्ड एनालिसिस, ई-मेल ट्रेसिंग और बैंकिंग फ्रॉड्स इन्वेस्टिगेशन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग दी जाएगी।